SWAMI VIVEKANANDA MAHILA MAHAVIDHYALAYA, ROOPANGARH

FACULTY NAME : SUMAN KUMARI

COURSE : BA I YEAR

PAPER : FOUNDATION OF INDIAN CULTURE

SUBJECT : HISTORY

UNIT : I

SESSION NAME : Bauddha Dharma

शिक्षण उद्देश्य (TEACHING OBJECTIVE)

- विद्यार्थी गौतम बुद्ध के जीवन परिचय को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी बौद्ध धर्म दर्शन के बारे में जानकारी

  प्राप्त कर सकेंगे।

<u>महात्मा गौतम बुद्ध</u>

* बुद्ध का जन्म 563 ई.पू. में कपिलवस्तु से 14 मील दूर **लुम्बिनी वन** में हुआ।
* पिता का नाम **शुद्धोधन** तथा माता का नाम **महामाया** था।
* जन्म के सात दिन बाद ही इनकी माता का देहान्त हो गया। अतः पालन पोषण इनकी मौसी **प्रजापति गौतमी** द्वारा किया गया। इसलिए गौतम कहलाये।
* इनके बचपन का नाम **सिद्धार्थ** था।
* इनका विवाह **यशोधरा** से हुआ, तथा इनके पुत्र का नाम **राहुल** था।

<u>महात्मा गौतम बुद्ध</u>

* बुद्ध के जीवन पर **चार घटनाओं** का प्रभाव पड़ा-

i.वृद्ध व्यक्ति

ii.बीमार व्यक्ति,

iii.मृत व्यक्ति

iv.आनन्दमय सन्यासी

महात्मा गौतम बुद्ध

* 29 वर्ष की आयु में घर छोड़कर सन्यासी बन गये। यह घटना **महाभिनिष्क्रमण** कहलाती है। घोड़े का नाम **कांथक** तथा **सारथी** का नाम **चन्ना** था।
* **आलारकालाम** इनके प्रथम गुरू बने। **उपनिषद्**, **सांख्य दर्शन** का ज्ञान बुद्ध ने इन्ही से सीखा था। तत्पश्चात् **उद्दक रामपुत्त** से योग की शिक्षा ग्रहण की।

<u>महात्मा गौतम बुद्ध</u>

* उरूवेला में पांच अन्य ब्राहमणों के साथ निरंजना नदी के किनारे तपस्या की। छः वर्ष पश्चात नृत्यकियों का गीत सुनकर मध्यम मार्ग की ओर प्रेरित हुए, व सुजाता के हाथों खीर खाकर "**गया**" में **पीपल वृक्ष** के नीचे साधनारत हो गये। यही वृक्ष **बौधी वृक्ष** कहलाता है।

<u>महात्मा गौतम बुद्ध</u>

* 35 वर्ष की आयु में बैशाख पूर्णिमा की रात को 49 दिनों की कठोर तपस्या के बाद ज्ञान की प्राप्ति हुई।
* बुद्धि से ज्ञान प्राप्ति के कारण **बुद्ध** कहलाये तथा सत्य प्राप्त करने के कारण **तथागत** कहलाये व साक्यों के गुरू होने के कारण **शाक्य मुनि** कहलाये।

<u>महात्मा गौतम बुद्ध</u>

तपस्सु व मल्लि नामक दो बंजारो को सर्वप्रथम उपदेश दिये। तत्पश्चात् ऋषिपतन (सारनाथ) गये जहां कोण्डिन्य सहित पांचों ब्राहमणों (कोण्डिन्य, आंज, अस्साजि, वप्प, भद्धिय) को उपदेश देकर अपना शिष्य बनाया। यह घटना **धर्म चक्र प्रवर्तन** कहलाती है।

<u>महात्मा गौतम बुद्ध</u>

- मल्ल की राजधानी पावा में चंद नामक लुहार के घर सुक्रमद्दव खाद्य पदार्थ खाने से रक्तातिसार हो गया तथा 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में इनकी मृत्यू हो गई। बुद्ध की मृत्यू को **महापरिनिर्वाण** कहते है।
- बुद्ध के अवशेषों को आठ भागों में विभाजित किया गया। जिन पर स्तूप बनाये गये।

बौद्ध धर्म का दर्शन

बौद्ध धर्म ने आत्मा की सत्ता को अस्वीकार कर दिया। इसके अनुसार हम जिस व्यक्ति को देखते है वह पाँच तत्वों से मिलकर बना होता है। बौद्ध धर्म कर्म व पुनर्जन्म में विश्वास करता है।

बौद्ध धर्म का दर्शन

बौद्ध धर्म में चार **आर्य सत्य** होते है-

1. दुःख

2. दुःख समुदाय

3. दुःख निरोद्ध

4. दुःख निषेद्ध गामिनी प्रतिपदा

बौद्ध धर्म का दर्शन

दुख का निर्वाण **अष्टागिंक** मार्ग द्वारा संभव है।

इसको तीन भागों में बांटा जाता है-

1.प्रज्ञा – इसमें सम्यक दृष्टि ,सकंल्प , वाक् आतें है।

2.शील – इसमें सम्यक कर्मान्त, व आजीविका आते है।

3.समाधी- इसमें सम्यक व्यायाम , स्मृति, व समाधी आते है।

<u>बौद्ध धर्म का दर्शन</u>

बौद्ध धर्म के दर्शन को **प्रतीत्यसमुत्पाद** कहते है। बौद्ध दर्शन **अनात्मवादी** , **अनिश्चयवादी** कहलाता है।

बौद्ध दर्शन का प्रमुख सम्प्रदाय **शुन्यवाद** है। जिसे माध्यमिक वाद भी कहते है। यह महायान शाखा एक भाग माना जाता है। इसका सबसे बड़ा समर्थक नागार्जुन को मानते है।

THANK YOU